



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 628] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 20, 1994/अग्रहायण 29, 1918  
No. 628] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 20, 1994/AGRAHAYANA 29, 1918

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1994

का. आ. 916(अ).—केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रिया-कलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह न्याय-निर्णयन करने के प्रयोजन के लिए कि नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागा लैण्ड (एन.एस.सी.एन.) को विधि विरुद्ध घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण है या नहीं, "विधि विरुद्ध क्रिया-कलाप (निवारण) अधिकरण" गठित करती है जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री जे.के. मेहरा होंगे।

[फा. सं. 7/19/94— न. ई. 1]

बी. एन. झा, संयुक्त सचिव (एन. ई.)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 20th December, 1994

S.O. 916(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the “Unlawful Activities (Prevention) Tribunal”, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause for declaring the National Socialist Council of Nagaland (NSCN) as Unlawful, consisting of Justice Shri J. K. Mehra, Judge of Delhi High Court.

[F. No. 7/19/94-NE.I]

B. N. JHA, Jt. Secy.(NE)